

महिलाओं का सशक्तिकरण क्यों महत्वपूर्ण है 'डॉ। सुमेधा चौधरी

प्रस्तावना: -

महिलाओं का सशक्तिकरण आज के समाज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। सदियों से महिलाओं को समाज में दूसरे दर्जे का नागरिक माना जाता रहा है, जहां उनके अधिकारों, स्वतंत्रता और विकास को सीमित रखा गया। लेकिन, जैसे-जैसे समाज ने विकास किया है, वैसे-वैसे यह समझ में आया है कि समाज का समग्र विकास तब तक संभव नहीं है जब तक कि उसकी आधी आबादी को सशक्त नहीं किया जाता। महिलाओं का सशक्तिकरण न केवल महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह पूरे समाज के उत्थान के लिए आवश्यक है।

महिलाओं के सशक्तिकरण का अर्थ:

महिलाओं के सशक्तिकरण का मतलब है कि महिलाओं को सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक सभी क्षेत्रों में समान अधिकार और अवसर प्राप्त हों। यह उन्हें वह ताकत देता है जिससे वे अपने जीवन के सभी पहलुओं में स्वतंत्र निर्णय ले सकें और खुद को एक स्वतंत्र, सक्षम और सम्मानित व्यक्ति के रूप में स्थापित कर सकें।

सामाजिक सशक्तिकरण:

महिलाओं का सशक्तिकरण सबसे पहले सामाजिक स्तर पर आवश्यक है। सदियों से समाज ने महिलाओं को केवल एक पारिवारिक इकाई के रूप में सीमित रखा है, जहां उनका मुख्य काम परिवार की देखभाल और बच्चों की परवरिश माना गया है। लेकिन एक महिला केवल एक परिवार तक सीमित नहीं होनी

चाहिए। उसे समाज के प्रत्येक क्षेत्र में बराबरी से भाग लेने का अधिकार मिलना चाहिए। जब महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान मिलेगा, तो समाज में लैंगिक असमानता कम होगी और सभी लोगों को समानता का अधिकार मिलेगा।

आर्थिक सशक्तिकरण:

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक महिला तभी पूर्ण रूप से स्वतंत्र हो सकती है जब वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो। आर्थिक स्वतंत्रता से महिलाओं को अपनी जीवनशैली, शिक्षा, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निर्णय लेने का अधिकार मिलता है। इसके साथ ही वे समाज में अपने योगदान के आधार पर सम्मान और पहचान प्राप्त कर सकती हैं। आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं अपने परिवार और समाज के लिए भी बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकती हैं।

शैक्षिक सशक्तिकरण:

शिक्षा महिलाओं के सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी उपकरण है। शिक्षा न केवल महिलाओं को ज्ञान और कौशल देती है, बल्कि यह उन्हें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी प्रेरित करती है। शिक्षित महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं और उन्हें यह समझ होती है कि कैसे वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है और उन्हें अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

डॉ। सुमेधा चौधरी (अध्यापिका)

मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग

चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर. यू.पी.

राजनीतिक सशक्तिकरण:

राजनीतिक सशक्तिकरण के बिना महिलाओं का सशक्तिकरण अधूरा है। जब तक महिलाएं राजनीतिक क्षेत्र में अपनी जगह नहीं बनातीं, तब तक उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके हितों की सुरक्षा करना कठिन होता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि महिलाएं राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लें और समाज के विभिन्न स्तरों पर अपनी आवाज़ उठाएं। महिलाएं जब नेतृत्व की भूमिका में होती हैं, तो वे समाज में महिलाओं की समस्याओं को बेहतर तरीके से समझती हैं और उन्हें हल करने के लिए प्रभावी नीतियाँ बना सकती हैं।

महिलाओं के सशक्तिकरण से लाभ:

- 1. परिवार का उत्थान:** जब एक महिला सशक्त होती है, तो पूरा परिवार सशक्त होता है। महिलाएं बच्चों की पहली शिक्षक होती हैं, और जब वे शिक्षित और आत्मनिर्भर होती हैं, तो वे अपने बच्चों को भी शिक्षा और आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाती हैं। यह पूरे परिवार के विकास में सहायक होता है।
- 2. आर्थिक वृद्धि:** जब महिलाएं कार्यबल में शामिल होती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तो यह देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान करती हैं। महिलाएं नए व्यवसाय शुरू कर सकती हैं, उद्योग में नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं और समाज को समृद्धि की ओर ले जा सकती हैं।
- 3. सामाजिक परिवर्तन:** महिलाएं जब समाज में सशक्त होती हैं, तो वे सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा, और भेदभाव जैसे मुद्दों

के खिलाफ आवाज़ उठाती हैं और समाज को एक बेहतर दिशा में ले जाती हैं।

निष्कर्ष:

महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के विकास और प्रगति के लिए अत्यधिक आवश्यक है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तो समाज में समानता, न्याय और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके लिए हमें महिलाओं को शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और राजनीतिक भागीदारी के अवसर देने चाहिए ताकि वे समाज में अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान सकें और समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें। महिलाओं का सशक्तिकरण केवल महिलाओं का उत्थान नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज का उत्थान है।